

इतिशल्यपर्वणिनैलकंठीयेभारतभावदीपेनृतीयोऽध्यायः ॥ ३ ॥      ॥ ॐ ॥      ॥ ॐ ॥      ॥ ॐ ॥      पतितानिति ॥ १ ॥